# बाबा गंगाराम चालीसा

॥ दोहा ॥

अलख निरंजन आप हैं,

निरगुण सगुण हमेश।

नाना विधि अवतार धर,

हरते जगत कलेश॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

बाबा गंगारामजी,

हुए विष्णु अवतार।

चमत्कार लख आपका,

गूंज उठी जयकार॥

॥ चौपाई ॥

गंगाराम देव हितकारी,

वैश्य वंश प्रकटे अवतारी।

पूर्वजन्म फल अमित रहेऊ,

धन्य धन्य पितु मातु भयेउ।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

उत्तम कुल उत्तम सतसंगा,

पावन नाम रात अरू गंगा।

बाबा नाम परम हितकारी,

सत सत वर्ष सुमंगलकारी।

बीतहि जन्म देह सुध नाही,

तपत तपत पुनि भयेऊ गुसाई।

जो जन बाबा में चित लावा,

तेहिं परताप अमर पद पावा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

नगर झुंझनूं धाम तिहारो,

शरणागत के संकट टारो।

धरम हेतु सब सुख बिसराये,

दीन हीन लखि हृदय लगाये।

एहि विधि चालीस वर्ष बिताये,

अन्त देह तजि देव कहाये।

देवलोक भई कंचन काया,

तब जनहित संदेश पठाया।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

निज कुल जन को स्वप्न दिखावा,

भावी करम जतन बतलावा।

आपन सुत को दर्शन दीन्हों,

धरम हेतु सब कारज कीन्हों।

नभ वाणी जब हुई निशा में,

प्रकट भई छवि पूर्व दिशा में।

ब्रह्मा विष्णु शिव सहित गणेशा,

जिमि जनहित प्रकटेउ सब ईशा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

चमत्कार एहि भांति दिखाया,

अन्तरध्यान भई सब माया।

सत्य वचन सुनि करहिं विचारा,

मन महँ गंगाराम पुकारा।

जो जन करई मनौती मन में,

बाबा पीर हरहिं पल छन में।

ज्यों निज रूप दिखावहिं सांचा,

त्यों त्यों भक्तवृन्द तेहिं जांचा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

उच्च मनोरथ शुचि आचारी,

राम नाम के अटल पुजारी।

जो नित गंगाराम पुकारे,

बाबा दुख से ताहिं उबारे।

बाबा में जिन्ह चित्त लगावा,

ते नर लोक सकल सुख पावा।

परहित बसहिं जाहिं मन मांही,

बाबा बसहिं ताहिं तन मांही।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

धरहिं ध्यान रावरो मन में,

सुखसंतोष लहै न मन में।

धर्म वृक्ष जेही तन मन सींचा,

पार ब्रह्म तेहि निज में खीचा।

गंगाराम नाम जो गावे,

लहि बैकुंठ परम पद पावे।

बाबा पीर हरहिं सब भांति,

जो सुमरे निश्छल दिन राती।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

दीन बन्धु दीनन हितकारी,

हरौ पाप हम शरण तिहारी।

पंचदेव तुम पूर्ण प्रकाशा,

सदा करो संतन मँह बासा।

तारण तरण गंग का पानी,

गंगाराम उभय सुनिशानी।

कृपासिंधु तुम हो सुखसागर,

सफल मनोरथ करहु कृपाकर।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

झुंझनूं नगर बड़ा बड़ भागी,

जहँ जन्में बाबा अनुरागी।

पूरन ब्रह्म सकल घटवासी,

गंगाराम अमर अविनाशी ।

ब्रह्म रूप देव अति भोला,

कानन कुण्डल मुकुट अमोला।

नित्यानन्द तेज सुख रासी,

हरहु निशातन करहु प्रकाशी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

गंगा दशहरा लागहिं मेला,

नगर झुंझनूं मँह शुभ बेला।

जो नर कीर्तन करहिं तुम्हारा,

छवि निरखि मन हरष अपारा।

प्रातः काल ले नाम तुम्हारा,

चौरासी का हो निस्तारा।

पंचदेव मन्दिर विख्याता,

दरशन हित भगतन का तांता।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जय श्री गंगाराम नाम की,

भवतारण तरि परम धाम की।

महावीर धर ध्यान पुनीता,

विरचेउ गंगाराम सुगीता।

॥ दोहा ॥

सुने सुनावे प्रेम से,

कीर्तन भजन सुनाम।

मन इच्छा सब कामना,

पूरई गंगाराम ॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

# अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा